Result Mitra
दैनिक जागरण
The Indian EXPRESS
JOURNALISM OF COURAGE
दैनिक भास्कर
THE HINDU
जनसत्ता
Daily
CURRENT
AFFAIRS
IAS/PCS
अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान
21 January

Quote of the Day

Result Mitra

जीत बस वही सकता है,
जिसकी कोशिशें तो हार गई हो,
पर वो कोशिश करने से नहीं हारा हो।

Result Mitra

ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह को सीआरपीएफ महानिदेशक के रूप में नियुक्त

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को 14 वर्ष की सजा

Result Mitra

- भारत सरकार ने असम पुलिस के प्रमुख, 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) का नया महानिदेशक नियुक्त किया है।
- उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि 30 नवंबर 2027 निर्धारित है।
- सिंह ने पूर्व में विशेष सुरक्षा समूह (SPG) और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) में भी महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को 14 वर्ष की सजा

Result Mitra

- भारत सरकार ने असम पुलिस के प्रमुख, 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) का नया महानिदेशक नियुक्त किया है।
- उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि 30 नवंबर 2027 निर्धारित है।
- सिंह ने पूर्व में विशेष सुरक्षा समूह (SPG) और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) में भी महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है।

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ़)

- सीआरपीएफ़ की स्थापना 27 जुलाई, 1939 को क्राउन रिप्रेज़ेंटेटिव पुलिस के नाम से हुई थी.
- 28 दिसंबर, 1949 को सीआरपीएफ़ अधिनियम लागू होने के बाद इसका नाम बदलकर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल कर दिया गया.
- सीआरपीएफ़, भारत सरकार के गृह मंत्रालय के तहत काम करता है.
- सीआरपीएफ़, भारत का सबसे बड़ा अर्धसैनिक बल है.

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ़)

- सीआरपीएफ़ की प्राथमिक भूमिका कानून-व्यवस्था और आतंकवाद विरोध में निभाने की है.
- सीआरपीएफ़, संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में भी भाग लेता है.
- सीआरपीएफ़, चुनावों में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तैनात किया जाता है.
- सीआरपीएफ़, वीआईपी सुरक्षा और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा भी करता है.

Result Mitra

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ़)

- सीआरपीएफ़, प्राकृतिक आपदाओं के दौरान बचाव और राहत का काम भी करता है.
- सीआरपीएफ़, युद्धकाल में आक्रामकता से मुकाबला करने का काम भी करता है.
- सीआरपीएफ़ की संगठन संरचना मुख्य रूप से तीन रैंक श्रेणियों पर आधारित है.

Result Mitra

विशेष सुरक्षा समूह (SPG)

विशेष सुरक्षा समूह (SPG) भारत की एक प्रमुख सुरक्षा एजेंसी है, जो विशिष्ट व्यक्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करती है। इसके मुख्य तथ्य इस प्रकार हैं:

- 1. स्थापना: विशेष सुरक्षा समूह (SPG) की स्थापना 1985 में हुई थी। यह प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद, 1984 में सुरक्षा सुधार के तहत बनाई गई थी।
- 2. प्रमुख कार्य: SPG का मुख्य उद्देश्य देश के वर्तमान प्रधानमंत्री, उनके परिवार, और पूर्व प्रधानमंत्रियों व उनके परिवार के सदस्यों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

विशेष सुरक्षा समूह (SPG)

- 3. अधिनियम: SPG को विशेष सुरक्षा समूह अधिनियम, 1988 के तहत स्थापित किया गया था। यह अधिनियम SPG के अधिकार, कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को परिभाषित करता है।
- 4. सुरक्षा स्तर: SPG का सुरक्षा स्तर विश्वस्तरीय है। इसमें अत्याधुनिक तकनीक, उच्च प्रशिक्षित कर्मी और विशेष हथियार शामिल होते हैं।

विशेष सुरक्षा समूह (SPG)

- 5. कार्यप्रणाली: SPG की कार्यप्रणाली में चौकसी, खतरे का आकलन, बुलेटप्रूफ वाहन, और हर स्थिति के लिए तैयार रहना शामिल है।
- 6. नियंत्रण: SPG सीधे भारत सरकार के कैबिनेट सचिवालय के अंतर्गत आता है और इसका संचालन कैबिनेट सचिवालय के तहत होता है।

Result Mitra

विशेष सुरक्षा समूह (SPG)

- 7. विशेष प्रशिक्षण: SPG कर्मियों को शारीरिक, मानसिक और तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाता है। वे क्राइसिस मैनेजमेंट, हथियार संचालन, और उच्च स्तरीय सुरक्षा प्रबंधन में प्रशिक्षित होते हैं।
- 8. सुरक्षित व्यक्तियों में बदलाव: 2019 में SPG अधिनियम में संशोधन के बाद, यह सुरक्षा अब केवल वर्तमान प्रधानमंत्री और उनके परिवार को ही प्रदान की जाती है। पहले यह पूर्व प्रधानमंत्रियों और उनके परिवार को भी दी जाती थी।

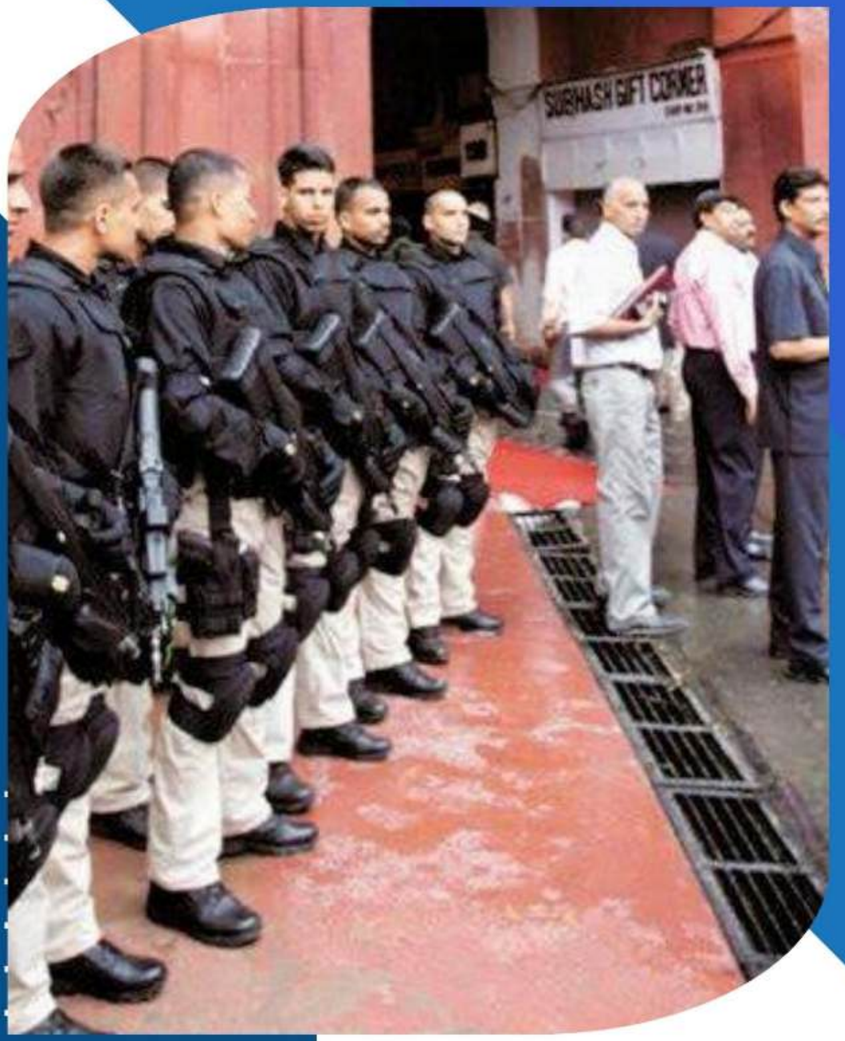

Result Mitra

विशेष सुरक्षा समूह (SPG)

- 9. कर्मचारियों का चयन: SPG में चयन के लिए भारतीय पुलिस सेवा (IPS) और अन्य केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPF) से योग्य अधिकारियों को चुना जाता है।
- 10. विशेष प्रतीक और वर्दी: SPG कर्मियों की वर्दी आमतौर पर काले रंग की होती है और उनके पास विशेष प्रतीक चिह्न होता है। वे अपने कार्य में पूरी तरह से गोपनीयता और अनुशासन का पालन करते हैं।
- SPG को दुनिया की सबसे प्रभावशाली सुरक्षा एजेंसियों में से एक माना जाता है।

Result Mitra

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA)

- राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) भारत की एक प्रमुख जांच एजेंसी है. यह आतंकवाद से जुड़े मामलों की जांच करती है. एनआईए की स्थापना साल 2008 में हुई थी. इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है.
- एनआईए, भारत सरकार की एक संघीय जांच एजेंसी है.
- यह गृह मंत्रालय के अधीन काम करती है.

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA)

- एनआईए, आतंकवाद से जुड़े मामलों की जांच करने के लिए विशेष अधिकार रखती है.
- एनआईए, भारत की संप्रभुता, सुरक्षा, और अखंडता से जुड़े मामलों की भी जांच करती है.
- एनआईए, आतंकवादी गतिविधियों और वित्तपोषण से जुड़े गैरकानूनी कामों की जांच करती है.

Result Mitra

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA)

- एनआईए, तलाशी लेने, जब्ती करने, और गिरफ़्तारी करने का अधिकार रखती है.
- एनआईए, जांच के लिए नए-नए वैज्ञानिक तरीकों का इस्तेमाल करती है.
- एनआईए, मानवाधिकारों और लोगों की गरिमा की रक्षा के लिए भी काम करती है.

Result Mitra

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) भारत का सबसे बड़ा अर्धसैनिक बल है, और यह भारत सरकार के गृह मंत्रालय के तहत काम करता है।

2. विशेष सुरक्षा समूह (SPG) की स्थापना 1985 में प्रधानमंत्री की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए की गई थी।

3. राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) आतंकवाद से जुड़े मामलों की जांच के लिए 2008 में स्थापित की गई थी।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(A) केवल 1 और 2

(B) केवल 2 और 3

(C) 1, 2 और 3

(D) केवल 1 और 3

Result Mitra

2025 ग्लेशियरों के संरक्षण का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित

2025 ग्लेशियरों के संरक्षण का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित

- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2025 को 'ग्लेशियरों के संरक्षण का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष' घोषित किया है। इसके साथ ही, 2025 से प्रत्येक वर्ष 21 मार्च को 'विश्व ग्लेशियर दिवस' के रूप में मनाया जाएगा।

2025 ग्लेशियरों के संरक्षण का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित

Result Mitra

ग्लेशियरों का महत्त्व

जल आपूर्ति:

- ग्लेशियर लाखों लोगों के लिए पीने के पानी का एक महत्वपूर्ण स्रोत हैं, विशेषकर शुष्क क्षेत्रों में।
- ग्रीष्म ऋतु के अंत में, ग्लेशियर अमु दरिया नदी के प्रवाह का 27% तक प्रदान करते हैं, जबकि ला पाज़ (बोलीविया की राजधानी) शुष्क अवधि के दौरान ग्लेशियरों के पिघले पानी पर निर्भर रहती है।

2025 ग्लेशियरों के संरक्षण का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित

Result Mitra

ग्लेशियरों का महत्त्व

समुद्र स्तर पर प्रभाव:

- ग्लेशियरों के पिघलने से समुद्र के जल स्तर में वृद्धि होती है, जिससे तटीय क्षेत्रों में बाढ़ और क्षरण का खतरा बढ़ता है।

2025 ग्लेशियरों के संरक्षण का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित

Result Mitra

वैश्विक पहल:

- दिसंबर 2022 में, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने ग्लेशियरों के ह्रास की तात्कालिकता पर प्रकाश डालने और वैश्विक जागरूकता बढ़ाने के लिए एक प्रस्ताव अपनाया। इसके तहत, वर्ष 2025 को 'ग्लेशियरों के संरक्षण का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष' और 21 मार्च को 'विश्व ग्लेशियर दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया।

2025 ग्लेशियरों के संरक्षण का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित

Result Mitra

क्षेत्रीय प्रभाव:

- हिंदू कुश हिमालयी क्षेत्र में क्रायोस्फीयर का तापमान वैश्विक औसत दर से दोगुनी गति से बढ़ रहा है, जिससे इस क्षेत्र में हिमनदीय झील विस्फोट बाढ़ (GLOF) जैसी आपदाओं का खतरा बढ़ रहा है।

2025 ग्लेशियरों के संरक्षण का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित

आगामी कार्यक्रम:

- वर्ष 2025 में ताजिकिस्तान में एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और वैश्विक पर्यावरण सुविधा (GEF) का अंतर्राष्ट्रीय जल सम्मेलन (IWC11) आयोजित किया जाएगा, जो ग्लेशियरों के संरक्षण के लिए नवीन दृष्टिकोणों पर केंद्रित होगा।
- ग्लेशियरों के संरक्षण के लिए वैश्विक स्तर पर यह पहल समय की मांग है, ताकि पर्यावरणीय संतुलन और मानव जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

2025 ग्लेशियरों के संरक्षण का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित

Result Mitra

अंतर्राष्ट्रीय जल सम्मेलन (IWC11)

- अंतरराष्ट्रीय जल सम्मेलन, जल से जुड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए देशों और संगठनों को एक साथ लाने का एक मंच है. इस सम्मेलन में जल से जुड़े लक्ष्यों और उद्देश्यों पर चर्चा की जाती है.
- संयुक्त राष्ट्र जल सम्मेलन का पहला आयोजन साल 1977 में अर्जेंटीना के मार डेल प्लाटा में हुआ था.

अर्जेन्टीना
मार डेल प्लाटा

अंतर्राष्ट्रीय जल सम्मेलन (IWC11)

- साल 2023 में संयुक्त राष्ट्र जल सम्मेलन न्यूयॉर्क में आयोजित किया गया था.
- साल 2026 में संयुक्त राष्ट्र जल सम्मेलन सेनेगल और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में आयोजित किया जाएगा.
- संयुक्त राष्ट्र जल सम्मेलन में सरकारें, कंपनियां, गैर-सरकारी संगठन, और वित्तपोषक शामिल होते हैं.

2025 ग्लेशियरों के संरक्षण का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित

Result Mitra

अंतर्राष्ट्रीय जल सम्मेलन (IWC11)

- इस सम्मेलन में देश अपने अनुभवों से सीखते हैं, तकनीकें साझा करते हैं, और निवेश करते हैं.
- जल सम्मेलन में जल से जुड़े लक्ष्यों और उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सहयोग किया जाता है.
- जल सम्मेलन में जल से जुड़ी चुनौतियों को दूर करने के लिए स्वैच्छिक प्रतिबद्धताएं जताई जाती हैं.

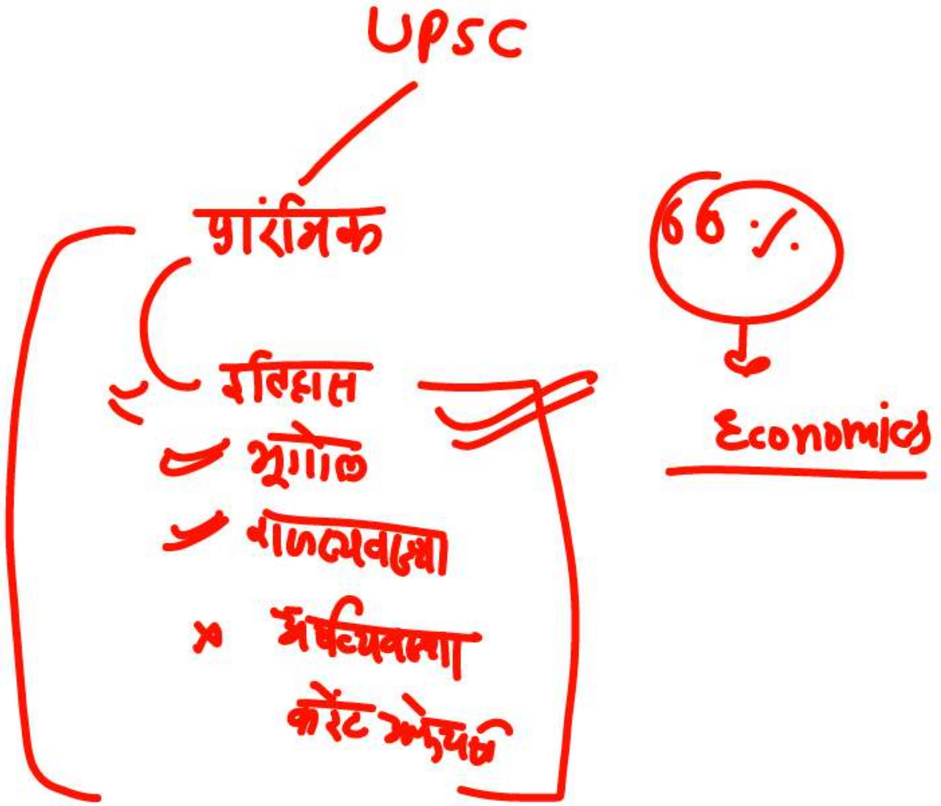

हिमनदीय झील विस्फोट बाढ़ (GLOF)

- हिमनद झील विस्फोट बाढ़ (ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ़्लड या GLOF) एक तरह की प्राकृतिक बाढ़ है.
- यह तब होती है, जब हिमनद झील के बांध में दरार आ जाती है और पानी और तलछट अचानक बाहर निकलता है.
- यह बाढ़ बहुत तेज़ी से आ सकती है और बिना किसी चेतावनी के घट सकती है.

हिमनदीय झील विस्फोट बाढ़ (GLOF)

- यह बाढ़ बहुत तेज़ी से आती है और बिना किसी चेतावनी के घट सकती है.
- इसमें बड़ी मात्रा में पानी, चट्टानें, बर्फ़, और अन्य मलबा शामिल होता है.
- यह बाढ़ लंबी दूरी तक जा सकती है और बाढ़ के स्रोत से दूर के इलाकों को भी प्रभावित कर सकती है.

हिमनदीय झील विस्फोट बाढ़ (GLOF)

- यह बाढ़ पर्यावरण को बहुत नुकसान पहुंचा सकती है.
- जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियर तेज़ी से पिघल रहे हैं, जिससे GLOF की घटनाएं ज़्यादा और गंभीर हो रही हैं.
- GLOF को रोकने के लिए, स्वचालित मौसम और जल स्तर निगरानी स्टेशन लगाए जा रहे हैं.

CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. वर्ष 2025 को 'ग्लेशियरों के संरक्षण का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष' और 21 मार्च को 'विश्व ग्लेशियर दिवस' के रूप में घोषित किया गया है।

2. हिमनदीय झील विस्फोट बाढ़ (GLOF) जलवायु परिवर्तन के कारण अधिक बार और गंभीर हो रही है।

3. अंतर्राष्ट्रीय जल सम्मेलन (IWC11) का आयोजन वर्ष 2025 में ताजिकिस्तान में किया जाएगा।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(A) 1, 2 और 3

(B) केवल 1 और 2

(C) केवल 2 और 3

(D) केवल 1 और 3

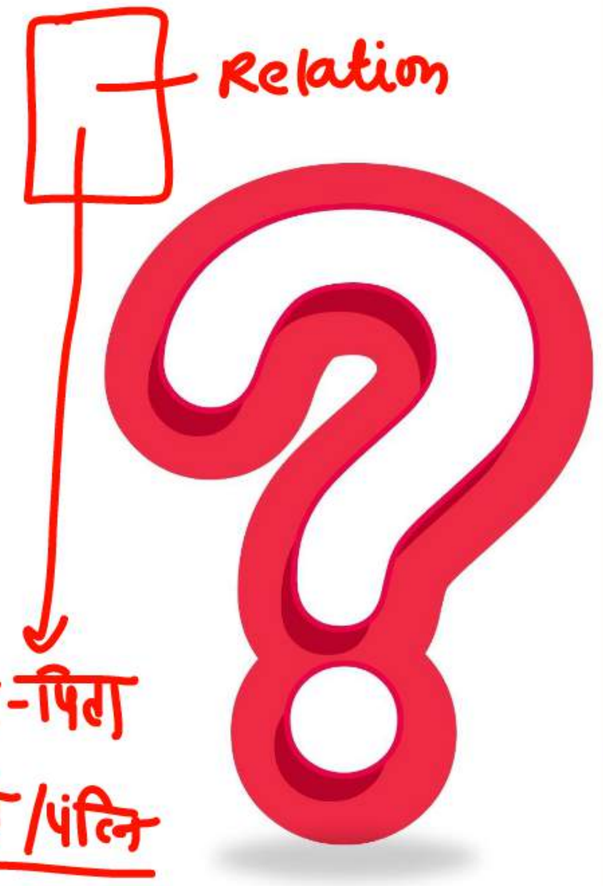

Result Mitra

संवेदनशील केंद्र मतदान

चुनाव प्रचार में AI का प्रयोग - चर्चा में

चुनाव प्रचार में AI का प्रयोग - चर्चा में

- चुनाव प्रचार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के बढ़ते उपयोग को देखते हुए, भारतीय निर्वाचन आयोग (ECI) ने राजनीतिक दलों को AI-जनित सामग्री के जिम्मेदार और पारदर्शी उपयोग के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

चुनाव प्रचार में AI का प्रयोग - चर्चा में

- आयोग ने निर्देश दिया है कि यदि कोई राजनीतिक दल अपने प्रचार में AI तकनीक से निर्मित या संशोधित छवियाँ, वीडियो, ऑडियो या अन्य सामग्री का उपयोग करता है, तो उस पर स्पष्ट रूप से 'AI-जनरेटेड', 'डिजिटल रूप से संवर्धित' या 'सिंथेटिक सामग्री' जैसे लेबल लगाने चाहिए।

चुनाव प्रचार में AI का प्रयोग - चर्चा में

Result Mitra

- मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने प्रशासन को गलत सूचना फैलाने के किसी भी प्रयास के प्रति सतर्क रहने और तेजी से कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। उन्होंने राजनीतिक दलों से चुनाव प्रचार में गरिमा और शिष्टाचार बनाए रखने का भी आग्रह किया है।

चुनाव प्रचार में AI का प्रयोग - चर्चा में

- AI के उपयोग से चुनाव प्रचार में कई लाभ हो सकते हैं, जैसे भाषणों का वास्तविक समय में अनुवाद, AI अवतारों का उपयोग, और फंडरेजिंग एवं मतदाता सहभागिता के लिए AI-चालित उपकरण।
- हालांकि, इसके साथ ही जोखिम भी हैं, जैसे गलत सूचना का प्रसार, डीपफेक सामग्री का उपयोग, और मतदाताओं की धारणाओं को प्रभावित करना।

चुनाव प्रचार में AI का प्रयोग - चर्चा में

- इसलिए, निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दलों से आग्रह किया है कि वे AI-जनित सामग्री के उपयोग में पारदर्शिता और जिम्मेदारी सुनिश्चित करें, ताकि चुनाव प्रक्रिया की शुचिता और मतदाताओं का विश्वास बना रहे।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्या है?

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शुरुआत 1950 के दशक में हुई थी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अर्थ है बनावटी (कृत्रिम) तरीके से विकसित की गई बौद्धिक क्षमता।
- इसके ज़रिये कंप्यूटर सिस्टम या रोबोटिक सिस्टम तैयार किया जाता है, जिसे उन्हीं तर्कों के आधार पर चलाने का प्रयास किया जाता है जिसके आधार पर मानव मस्तिष्क काम करता है।

Result Mitra

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्या है?

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जनक जॉन मैकार्थी के अनुसार यह बुद्धिमान मशीनों, विशेष रूप से बुद्धिमान कंप्यूटर प्रोग्राम को बनाने का विज्ञान और अभियांत्रिकी है अर्थात यह मशीनों द्वारा प्रदर्शित किया गया इंटेलिजेंस है।

Result Mitra

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्या है?

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंप्यूटर द्वारा नियंत्रित रोबोट या फिर मनुष्य की तरह इंटेलिजेंस तरीके से सोचने वाला सॉफ़्टवेयर बनाने का एक तरीका है।
- यह इसके बारे में अध्ययन करता है कि मानव मस्तिष्क कैसे सोचता है और समस्या को हल करते समय कैसे सीखता है, कैसे निर्णय लेता है और कैसे काम करता।

Result Mitra

भारतीय निर्वाचन आयोग (ECI)

भारत का निर्वाचन आयोग क्या है?

परिचय:

- भारतीय निर्वाचन आयोग, एक स्वायत्त सांविधानिक प्राधिकरण है जो भारत में संघ और राज्य निर्वाचन प्रक्रियाओं के प्रशासन के लिये ज़िम्मेदार है।
- इसकी स्थापना 25 जनवरी 1950 को संविधान के अनुसार की गई थी (राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाया जाता है)। आयोग का सचिवालय नई दिल्ली में है।

भारतीय निर्वाचन आयोग (ECI)

- यह निकाय भारत में लोकसभा, राज्यसभा एवं राज्य विधानसभाओं तथा देश में राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति के पदों के लिये निर्वाचन का प्रबंधन करता है।
- इसका राज्यों में पंचायतों एवं नगर पालिकाओं के निर्वाचन से कोई सरोकार नहीं है। इसके लिये भारत का संविधान एक अलग राज्य चुनाव आयोग का प्रावधान करता है।

Result Mitra

भारतीय निर्वाचन आयोग (ECI)

संवैधानिक प्रावधान:

- भाग XV (अनुच्छेद 324-329): यह निर्वाचन से संबंधित है और इन मामलों के लिये एक आयोग की स्थापना करता है।
- अनुच्छेद 324: निर्वाचन हेतु अधीक्षण, निर्देशन एवं नियंत्रण एक चुनाव आयोग में निहित किया जाएगा।

Result Mitra

भारतीय निर्वाचन आयोग (ECI)

संवैधानिक प्रावधान:

- अनुच्छेद 325: कोई भी व्यक्ति धर्म, नस्ल, जाति अथवा लिंग के आधार पर किसी विशेष मतदाता सूची में शामिल होने या शामिल होने का दावा करने के लिये अयोग्य नहीं होगा।
- अनुच्छेद 326: लोक सभा एवं राज्यों की विधान सभाओं के निर्वाचन वयस्क मताधिकार पर आधारित होंगे।

भारतीय निर्वाचन आयोग (ECI)

संवैधानिक प्रावधान:

- अनुच्छेद 327: विधायिकाओं के चुनाव के संबंध में प्रावधान करने की संसद की शक्ति।
- अनुच्छेद 328: किसी राज्य के विधानमंडल की ऐसे विधानमंडल के लिये निर्वाचन के संबंध में प्रावधान करने की शक्ति।
- अनुच्छेद 329: निर्वाचन के मामलों में न्यायालयों द्वारा हस्तक्षेप पर रोक।

भारतीय निर्वाचन आयोग (ECI)

ECI की संरचना:

- मूल रूप से आयोग में केवल एक चुनाव आयुक्त थे लेकिन चुनाव आयुक्त संशोधन अधिनियम 1989 के बाद इसे एक बहु-सदस्यीय निकाय बना दिया गया।
- चुनाव आयोग में मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) तथा अन्य चुनाव आयुक्त, जिन्हें राष्ट्रपति द्वारा समय-समय पर चुना जाता है वे भी इसमें शामिल होंगे।

Result Mitra

भारतीय निर्वाचन आयोग (ECI)

ECI की संरचना:

- वर्तमान में इसमें CEC और दो चुनाव आयुक्त (EC) शामिल हैं।
- राज्य स्तर पर चुनाव आयोग को मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

Result Mitra

भारतीय निर्वाचन आयोग (ECI)

आयुक्तों की नियुक्ति एवं कार्यकाल:

- राष्ट्रपति CEC और अन्य EC (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की अवधि) अधिनियम, 2023 के अनुसार CEC और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करता है।
- उनका छह साल का एक निश्चित कार्यकाल होता है या 65 वर्ष की आयु तक (जो भी पहले हो)।
- CEC और EC का वेतन तथा सेवा शर्तें सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के बराबर होंगी।

भारतीय निर्वाचन आयोग (ECI)

निष्कासन:

- वे कभी भी त्याग-पत्र दे सकते हैं या उन्हें उनके कार्यकाल की समाप्ति से पहले भी हटाया जा सकता है।
- मुख्य चुनाव आयुक्त को संसद द्वारा सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाने की प्रक्रिया की तरह ही पद से हटाया जा सकता है।

भारतीय निर्वाचन आयोग (ECI)

सीमाएँ:

- संविधान में चुनाव आयोग के सदस्यों की योग्यता (कानूनी, शैक्षिक, प्रशासनिक या न्यायिक) निर्धारित नहीं की गई है।
- संविधान में चुनाव आयोग के सदस्यों के कार्यकाल को निर्दिष्ट नहीं किया गया है।
- संविधान ने सेवानिवृत्त हो रहे चुनाव आयुक्तों को सरकार द्वारा किसी और नियुक्ति से वंचित नहीं किया है।

Result Mitra

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

1. मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) को संसद द्वारा सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाने की प्रक्रिया के समान ही हटाया जा सकता है।

2. भारतीय संविधान के अनुसार चुनाव आयोग के सदस्यों की शैक्षिक या प्रशासनिक योग्यता निर्दिष्ट की गई है।

3. भारतीय निर्वाचन आयोग का राज्यों में पंचायत और नगरपालिकाओं के चुनाव से संबंधित कार्यों से कोई संबंध नहीं है।

कूट:

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 1 और 3

(c) केवल 1

(d) केवल 3

Result Mitra

राष्ट्रीय विज्ञान ड्रामा महोत्सव 2024-25

राष्ट्रीय विज्ञान ड्रामा महोत्सव 2024-25

Result Mitra

- राष्ट्रीय विज्ञान ड्रामा महोत्सव 2024-25 का आयोजन 18 जनवरी 2025 को राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र, दिल्ली में किया गया।
- यह महोत्सव राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम) के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है, जो विज्ञान को मनोरंजक और शैक्षिक प्रारूप में प्रस्तुत करने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करता है। इस वर्ष के महोत्सव में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), जलवायु परिवर्तन, जल संरक्षण, और चिकित्सा सफलताओं जैसे विषयों पर नाटकों का प्रदर्शन किया गया।

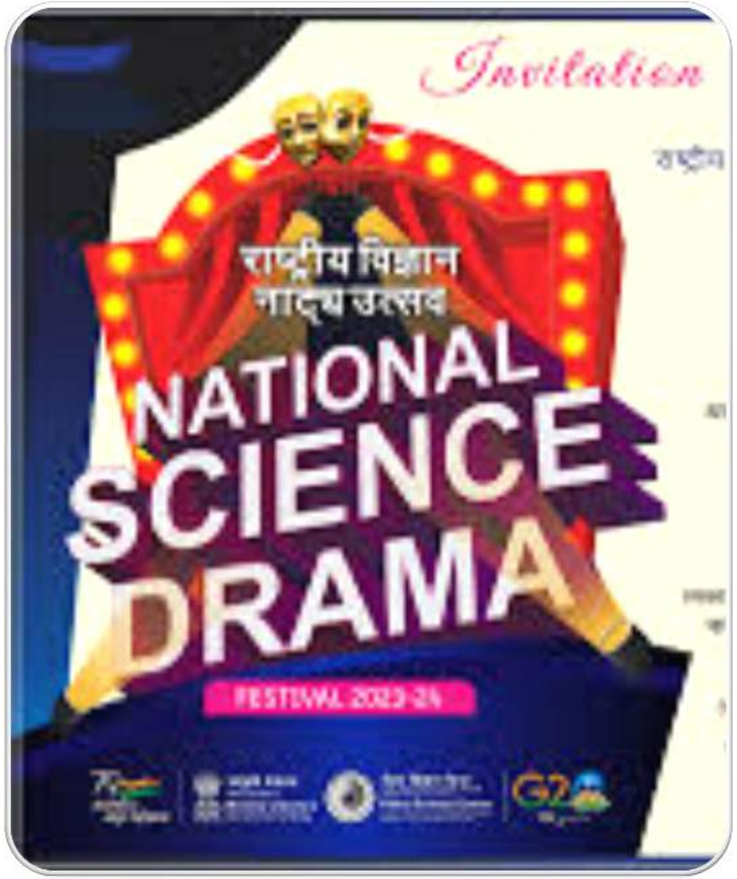

राष्ट्रीय विज्ञान ड्रामा महोत्सव 2024-25

Result Mitra

- उद्घाटन समारोह में प्रख्यात रंगमंच एवं वॉयस ओवर कलाकार डॉ. सुचित्रा गुप्ता मुख्य अतिथि थीं, जबकि समापन समारोह में प्रख्यात फिल्म एवं रंगमंच अभिनेता एवं राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली के निदेशक श्री चितरंजन त्रिपाठी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

राष्ट्रीय विज्ञान ड्रामा महोत्सव 2024-25

Result Mitra

- इस महोत्सव में देशभर के 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों से 40,000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया, जिन्होंने विज्ञान नाटकों के माध्यम से अपनी रचनात्मकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का प्रदर्शन किया।

राष्ट्रीय विज्ञान ड्रामा महोत्सव 2024-25

Result Mitra

- राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम) भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्था है, जो विज्ञान, प्रौद्योगिकी, और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करती है।
- इस महोत्सव का उद्देश्य विज्ञान और साहित्य के समावेश से वैज्ञानिक मानसिकता का विकास करना और अंधविश्वास एवं गलत सूचनाओं का मुकाबला करना है, जिससे समाज में जागरूक नागरिकों का निर्माण हो सके।

राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम)

- यह भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत आने वाला एक स्वायत्त निकाय है.
- इसकी स्थापना 4 अप्रैल, 1978 को हुई थी.
- इसका मुख्यालय कोलकाता मे है.
- यह विज्ञान संचार का एक प्रमुख संस्थान है.
- यह देश भर में विज्ञान संग्रहालयों और केंद्रों का नेटवर्क चलाता है.

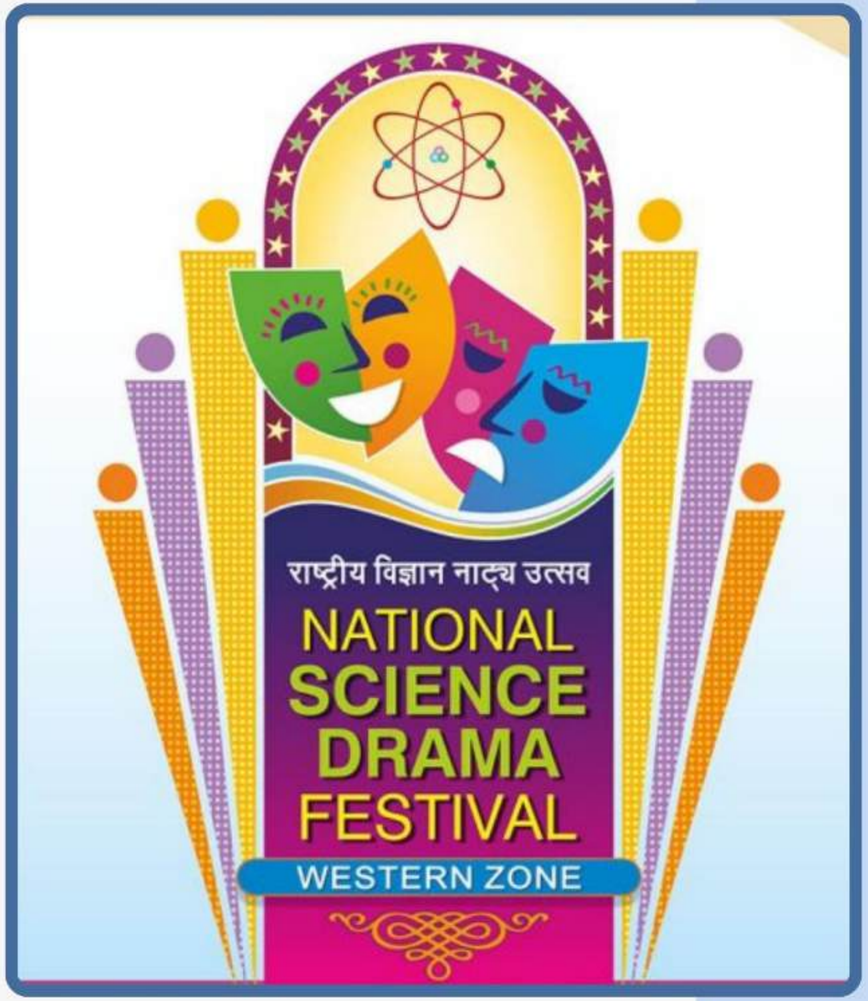

राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम)

- यह विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने का काम करता है.
- यह विज्ञान संग्रहालयों और केंद्रों का दुनिया का सबसे बड़ा नेटवर्क है.
- यह विज्ञान केंद्रों में चलित विज्ञान प्रदर्शनियां (एम.एस.ई.) भी आयोजित करता है.
- यह विज्ञान केंद्रों में इनोवेशन हब भी चलाता है.

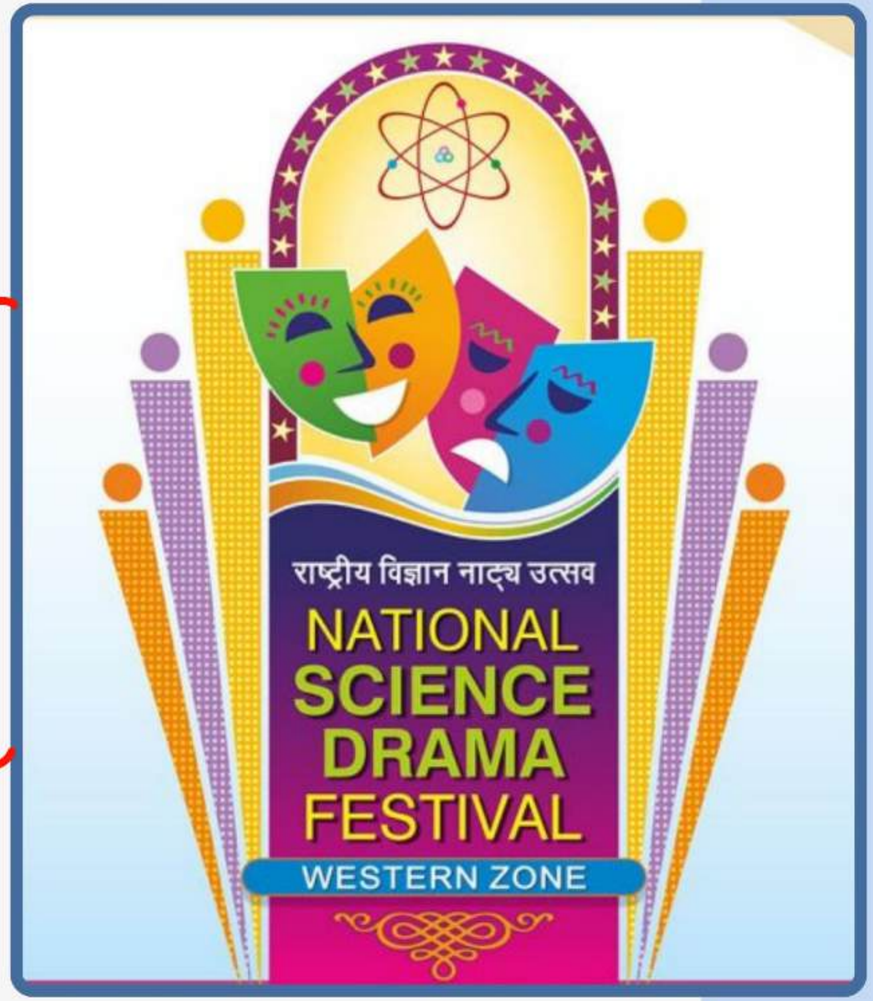

राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम)

एनसीएसएम के कुछ प्रमुख विज्ञान संग्रहालयः

- बिड़ला औद्योगिक और प्रौद्योगिकी संग्रहालय (बीआईटीएम), कोलकाता
- विश्वेश्वरैया औद्योगिक और प्रौद्योगिकी संग्रहालय (वीआईटीएम), बेंगलुरु
- नेहरू विज्ञान केंद्र (एनएससी), मुंबई
- राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र (एनएससी), दिल्ली

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम) भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत आता है।

2. एनसीएसएम विज्ञान संग्रहालयों और केंद्रों का दुनिया का सबसे बड़ा नेटवर्क संचालित करता है।

3. एनसीएसएम का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।

कूट:

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2

(c) केवल 2 और 3

(d) केवल 1 और 3

Result Mitra

भारतीय महिला और पुरुष टीम बनी पहली खो खो विश्व चैंपियन

भारतीय महिला और पुरुष टीम बनी पहली खो खो विश्व चैंपियन

Result Mitra

- भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने खो-खो विश्व कप 2025 में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए दोनों श्रेणियों में चैंपियनशिप जीती। यह टूर्नामेंट 13 से 19 जनवरी 2025 तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया गया था।

भारतीय महिला और पुरुष टीम बनी पहली खो खो विश्व चैंपियन

Result Mitra

पुरुषों का फाइनल: भारत बनाम नेपाल

- पुरुषों के फाइनल में, भारतीय टीम ने नेपाल को 54-36 से हराया। कप्तान प्रतीक वायकर और प्रमुख खिलाड़ी रामजी कश्यप ने शानदार प्रदर्शन किया, जिससे टीम ने पहले ही टर्न में 26 अंकों की बढ़त हासिल की। नेपाल के प्रयासों के बावजूद, भारतीय रक्षा, विशेषकर वायकर और सचिन भागो के नेतृत्व में, अजेय रही।

भारतीय महिला और पुरुष टीम बनी पहली खो खो विश्व चैंपियन

Result Mitra

महिलाओं का फाइनल: भारत बनाम नेपाल

- महिला टीम ने भी नेपाल को 78-40 से पराजित किया। कप्तान प्रियंका इंगले ने पहले टर्न में कई टच प्वाइंट्स के साथ मजबूत शुरुआत की, जबकि बी. चैतरा की "ड्रीम रन" ने पांच मिनट से अधिक समय तक टर्न 4 में टीम की जीत सुनिश्चित की।

भारतीय महिला और पुरुष टीम बनी पहली खो खो विश्व चैंपियन

Result Mitra

ऐतिहासिक महत्व

- इस डबल जीत ने खो-खो के पहले विश्व कप में भारत की प्रमुखता को स्थापित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टीमों को बधाई देते हुए इस उपलब्धि को ऐतिहासिक बताया।
- इस सफलता से उम्मीद है कि खो-खो खेल को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी और देश में इसकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी।

खो-खो के बारे में:

- खो-खो एक भारतीय मैदानी खेल है. यह भारत के सबसे पुराने पारंपरिक टैग खेलों में से एक है.
- खो-खो को कम से कम चौथी शताब्दी ईसा पूर्व से खेला जा रहा है.
- खो-खो को प्राचीन काल में "खो ध्वनि क्रीड़ा" के नाम से भी जाना जाता था.
- खो-खो को पहली बार 1936 के बर्लिन ओलंपिक में दिखाया गया था.

Result Mitra

खो-खो के बारे में:

- खो-खो में दो टीमें होती हैं और हर टीम में 12 खिलाड़ी होते हैं.
- खो-खो में एक मैच में दो पारियां होती हैं.
- खो-खो में पीछा करने वाली टीम को सात मिनट और बचाव करने वाली टीम को भी सात मिनट मिलते हैं.

Result Mitra

खो-खो के बारे में:

- खो-खो खेलने के लिए किसी खास तरह की सतह की ज़रूरत नहीं होती.
- खो-खो खेलने के लिए ज़्यादा से ज़्यादा ताकत, कौशल, गति, और ऊर्जा की ज़रूरत होती है.
- खो-खो खेलने वाले खिलाड़ियों को कई तरह के पुरस्कार मिलते हैं.

Result Mitra

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. खो-खो को 1936 के बर्लिन ओलंपिक में प्रदर्शित किया गया था।
2. खो-खो के एक मैच में केवल एक पारी होती है।
3. खो-खो खेल में एक टीम में 12 खिलाड़ी होते हैं।

कूट: (a) केवल 1 और 3

(b) केवल 1

(c) केवल 2 और 3

(d) केवल 1 और 2

Result Mitra

सीमान्त गाँधी के नाम से मशहूर 'भारत रत्न' ख़ान अब्दुल ग़फ़्फ़ार ख़ान - चर्चा में

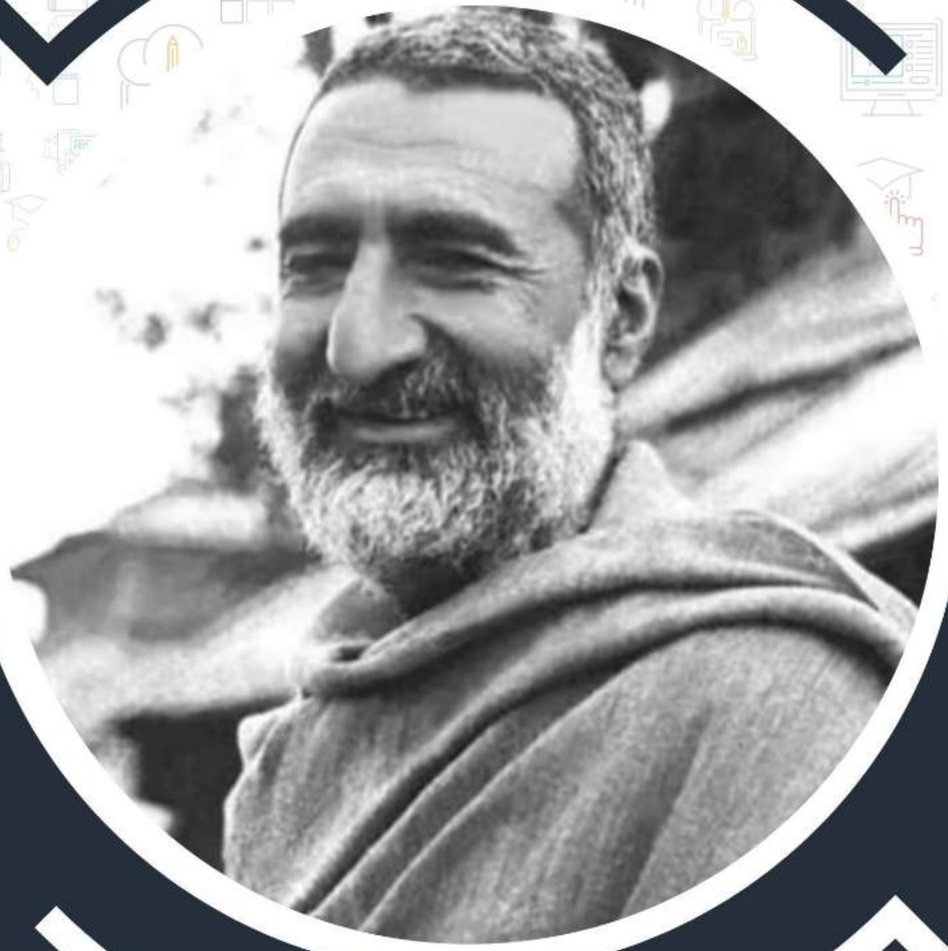

भारतीय महिला और पुरुष टीम बनी पहली खो खो विश्व चैंपियन

Result Mitra

- ख़ान अब्दुल ग़फ़्फ़ार ख़ान, जिन्हें 'सीमांत गांधी' के नाम से जाना जाता है, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान नेता थे। उनका जन्म 6 फरवरी 1890 को हुआ था और 20 जनवरी 1988 को उनका निधन हुआ। उन्हें भारत सरकार ने 1987 में भारत रत्न से सम्मानित किया।

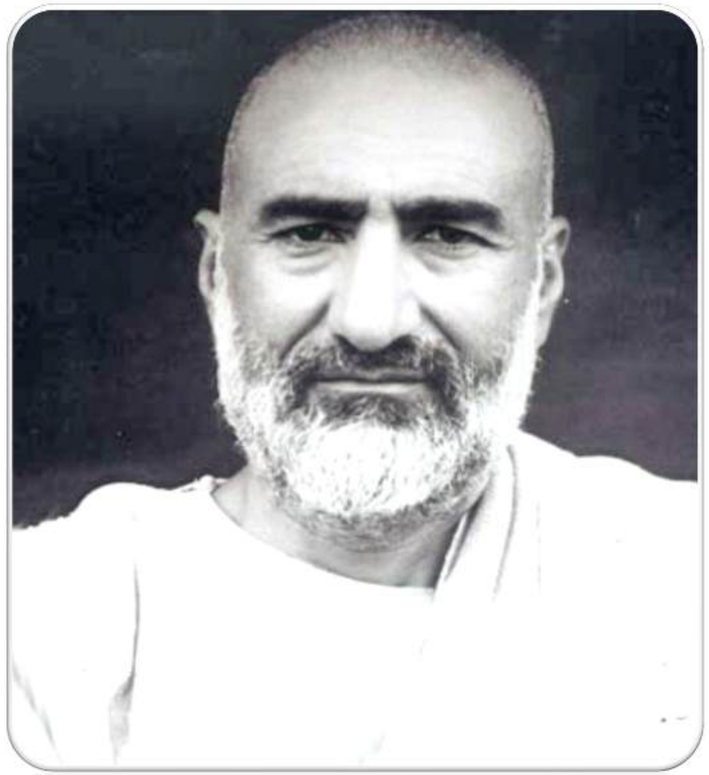

भारतीय महिला और पुरुष टीम बनी पहली खो खो विश्व चैंपियन

Result Mitra

- उनकी पुण्यतिथि पर, 20 जनवरी 2025 को, विभिन्न राजनीतिक दलों और नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। समाजवादी पार्टी ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी।
- ख़ान अब्दुल ग़फ़्फ़ार ख़ान ने महात्मा गांधी के सिद्धांतों का पालन करते हुए अहिंसा और सत्याग्रह के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया। उनकी निष्ठा और संघर्ष ने उन्हें 'सीमांत गांधी' का उपनाम दिलाया।

भारतीय महिला और पुरुष टीम बनी पहली खो खो विश्व चैंपियन

Result Mitra

ख़ान अब्दुल ग़फ़्फ़ार ख़ान

- ख़ान अब्दुल ग़फ़्फ़ार ख़ान एक आध्यात्मिक और राजनीतिक नेता थे. वे भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभाए. उन्हें 'सीमांत गांधी' के नाम से भी जाना जाता है
- उनका जन्म 6 फ़रवरी, 1890 को ब्रिटिश भारत के पंजाब के उटमानजई में हुआ था.
- वे एक सुन्नी मुस्लिम पश्तून परिवार से थे.
- वे अहिंसा के पुजारी थे.

भारतीय महिला और पुरुष टीम बनी पहली खो खो विश्व चैंपियन

Result Mitra

ख़ान अब्दुल ग़फ़्फ़ार ख़ान

- उन्होंने भारत में अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ अहिंसक आंदोलन चलाया.
- उन्होंने 1930 में खुदाई खिदमतगार नाम का संगठन बनाया था.
- वे भारत रत्न पाने वाले पहले गैर-भारतीय थे.
- वे जलालाबाद, अफ़ग़ानिस्तान में रहते थे.

1930 - खुदाई खिदमतगार

भारतीय महिला और पुरुष टीम बनी पहली खो खो विश्व चैंपियन

Result Mitra

ख़ान अब्दुल ग़फ़्फ़ार ख़ान

- उनका निधन 20 जनवरी, 1988 को हुआ था.
- उन्हें बादशाह खान और बच्चा खान के नाम से भी जाना जाता था.
- वे रवींद्रनाथ टैगोर से मिले थे.
- वे महात्मा गांधी से प्रेरित थे.

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित में से कौन सी जानकारी ख़ान अब्दुल ग़फ़्फ़ार ख़ान से संबंधित नहीं है?

A. उनका जन्म 6 फ़रवरी, 1890 को हुआ था।

B. उन्हें भारत रत्न से 1987 में सम्मानित किया गया था।

C. उन्होंने 1930 में खुदाई खिदमतगार नाम का संगठन स्थापित किया।

D. उनका निधन 20 जनवरी, 1985 को हुआ था।

Result Mitra

Thank You